

संजनी स्त्री. (तत्.) धातु निर्मित घातक आयुध, युद्ध के काम आने वाला एक प्राचीन घातक हथियार।

संजनीपति पुं. (तत्.) संजनी नामक आयुध को कुशलता से प्रयोग में लाने वाला व्यक्ति, संजनी नामक हथियार चलाने वाला कुशल सैनिक।

संजय पुं. (तत्.) हस्तिनापुर के सम्राट धृतराष्ट्र के मंत्री, व्यास मुनि द्वारा प्रदत्त दिव्य शक्ति की सहायता से सम्राट को महाभारत युद्ध का सम्पूर्ण आँखों देखा हाल सुनाने वाला सिद्ध व्यक्ति।

संजल्प पुं. (तत्.) 1. अनौपचारिक रूप से होने वाली आपसी बातचीत, गपशप 2. अनियंत्रित ध्वनियाँ, शोर, कोलाहल।

संजात वि. (तत्.) जन्मा, उत्पन्न हुआ, माता-पिता की संतति संजात संतति है उदा. वात संजात अर्थात् हनुमान, शिव संजात अर्थात् कार्तिकेय।

संजाफ स्त्री. (फा.) सजावट के लिए कपड़ों और वस्त्रों पर टाँकी जाने वाली झालर या फीती, लेस।

संजाफी पुं. (फा.) आधा लाल और आधा हरा या सफेद रंग का विशेष घोड़ा।

संजाब पुं. (फा.) कपड़ों अथवा वस्त्रों के किनारों पर शोभा के लिए लगाई जाने वाली, झालर या लेस, संजाफ।

संजीदगी स्त्री. (फा.) सोच-विचार की गंभीर मुख-मुद्रा, ऐसा व्यवहार जिसमें हल्कापन न हो।

संजीदा वि. (फा.) 1. सोच-विचार की गंभीरता वाला, गंभीर प्रवृत्ति वाला 2. सभ्य, शिष्ट, अच्छे आचरण वाला।

संजीव पुं. (तत्.) निर्जीव को जीवित करने वाला व्यक्ति, पुनः जान डालने वाला व्यक्ति वि. पुनर्जीवित, फिर से जीवित हुआ।

संजीव करणी वि. (तत्.) निर्जीव को जीवित करने वाली, पुनः जान फूँकने वाली।

संजीवन पुं. (तत्.) 1. एक साथ का जीवन, एक साथ का वास 2. फिर से जिंदा करने का कार्य, पुनर्जीवन प्रदान करना वि. पुनर्जीवन प्रदान करने वाला।

संजीवनी स्त्री. (तत्.) मृत को जीवित करने अथवा मूर्छित को जागृत करने वाली विशेष जड़ी-बूटी, नया जीवन, उत्साह अथवा प्रेरणा प्रदान करने वाली लता-बूटी टि. मेघनाद की शक्ति से मूर्छित लक्ष्मण को जागृत करने के लिए द्रोणागिरी पर्वत को ही उठाकर लाए जिस पर संजीवनी बूटी उपजी थी।

संजीवनी विद्या स्त्री. (तत्.) मृत को पुनर्जीवन दान देने की विद्या, मरे हुए में जीवन फूँकने की विधा।

संज्ञप्त वि. (तत्.) सूचित किया हुआ, सूचना के रूप में प्रसारित किया हुआ।

संज्ञप्ति स्त्री. (तत्.) औपचारिक सूचना का पत्र, कार्यालय में निर्देशित वर्ग तक सूचना-समाचार पहुँचाने का पत्र।

संज्ञा स्त्री. (तत्.) 1. चेतना, सुध, होश 2. बुद्धि मेधा, अक्ल 3. नाम, अभिहित करने का कार्य, अभिधान 4. संकेत, इशारा व्या. किसी मूर्त अथवा अमूर्त वस्तु का नाम, अभिधान।

संज्ञात वि. (तत्.) भली-भाँति जाना हुआ, अच्छी तरह जाना हुआ, पूर्ण रूप से विदित।

संज्ञान पुं. (तत्.) 1. वस्तु स्थिति की सही सही जानकारी, सम्यक ज्ञान 2. सरकार द्वारा औपचारिक रूप से जानकारी प्राप्त करने का कार्य 3. वि. (तत्.) ज्ञानयुक्त, बुद्धिमान, समझदार, सचेत, सावधान।

संज्ञापद पुं. (तत्.) क्रिया पद से भिन्न वाक्य का वह अंश जो संज्ञा अथवा कर्त्ता विषयक हो, उद्देश्य और विधेय की दृष्टि से वाक्य में उद्देश्य कहा जाने वाला अंश।

संज्ञा पुत्री स्त्री. (तत्.) सूर्य की पत्नी संज्ञा से उत्पन्न पुत्री 'यमी' अथवा 'यमुना'।

संज्ञावलि स्त्री. (तत्.) संज्ञाओं की शृंखला, नामों की शृंखला, नामावली।

संज्ञावान वि. (तत्.) 1. जिसको चेतनता हो, सुध वाला, जागृत 2. नाम वाला, संज्ञा युक्त, जिस का कोई नाम हो, अभिहित।